15. भारत भौतिक संरचना

- ***उच्चावच एवं संरचना के आधार पर भारत को 5 प्राकृतिक विभागों मे बाँटा जा सकता है-***

1. उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र
2. उत्तर भारत का विशाल मैदान
3. प्रायद्वीपीय भारत
4. तटवर्ती मैदान
5. द्वीपीय भाग

1. उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र-

1. भारत की उत्तरी सीमा पर विश्व की सबसे ऊँची पर्वत माला है।
2. यह पर्वतमाला पूर्व-पश्चिम में विस्तृत है।
3. यह विश्व की नवीनतम मोड़दार पर्वत-श्रेणियाँ हैं।
4. इस पर्वतमाला को हिमालय पर्वत के नाम से जानते हैं।

   सुविधा की दृष्टि से इस पर्वतमाला को दो भागों में बाँटते हैं-

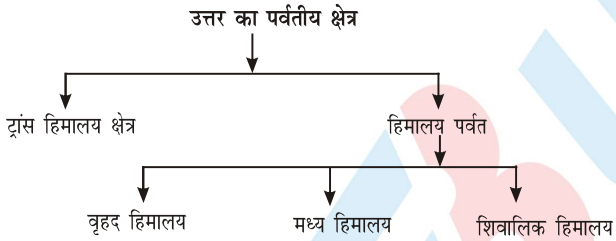

- **ट्रांस हिमालय (Trans Himalaya).**

1. ट्रांस हिमालय का निर्माण हिमालय से पहले हुआ है।
2. ट्रांस हिमालय में निम्नलिखित पर्वत श्रेणियाँ आती हैं-
   1. काराकोरम श्रेणी
   2. लद्दाख श्रेणी
   3. जास्कर श्रेणी
3. भारत की सर्वोच्च चोटी K_2 या गॉडविन ऑस्टिन है।
4. K_2 या गॉडविन ऑस्टिन काराकोरम श्रेणी की सर्वोच्च चोटी है।

- **हिमालय पर्वत की श्रेणियाँ .**

1. महान हिमालय (Great Himalaya) -

1. वृहद हिमालय को हिमाद्रि भी कहते है।
2. वृहद हिमालय को सर्वोच्च हिमालय भी कहते है।
3. यह हिमालय की सबसे ऊँची श्रेणी है।
4. इसकी औसत ऊँचाई 6000 मी. है।
5. वृहद हिमालय की चौड़ाई 120 से 190 किमी. है।
6. माउण्ट एवरेस्ट इसी वृहद हिमालय मे स्थित है।
7. माउण्ट एवरेस्ट की ऊँचाई 8848 मी. है।

2. मध्य हिमालय (Middle Himalaya)-

1. मध्य हिमालय को लघु हिमालय भी कहते हैं।
2. मध्य हिमालय को हिमाचल श्रेणी भी कहते हैं।
3. मध्य हिमालय को नेपाल में महाभारत श्रेणी भी कहते हैं।
4. इसकी सामान्य ऊँचाई 3700 से 4500 मी. है।
5. इसकी चौड़ाई 80 से 100 किमी. है।
6. इस श्रेणी में पीरपंजाल, धौलाधार, नागटिब्बा एवं महाभारत श्रेणियाँ शामिल हैं।
7. लघु हिमालय स्वास्थ्यवर्धक पर्यटक स्थलों के लिये विख्यात है जिसमें शिमला, कुल्लू, मसूरी, दार्जिलिंग आदि शामिल हैं।

3. शिवालिक हिमालय (Shivalic Himalaya)-

1. इस हिमालय का दूसरा नाम वाह्य हिमालय भी है।
2. शिवालिक हिमालय 10 किमी. से 50 किमी चौड़ा है।
3. शिवालिक हिमालय की ऊँचाई 900 मी से 1200 मी. है।
4. ये हिमालय के नवीनतम भाग है।
5. शिवालिक एवं लघु हिमालय के बीच कई घाटियाँ है।
   जैसे- काठमांडू घाटी।
6. पश्चिम में इन्हे दून कहते हैं ***जैसे***- देहरादून
7. शिवालिक के निचले भाग को तराई कहते हैं।
8. यह तराई दलदली एवं वनाच्छादित प्रदेश है।

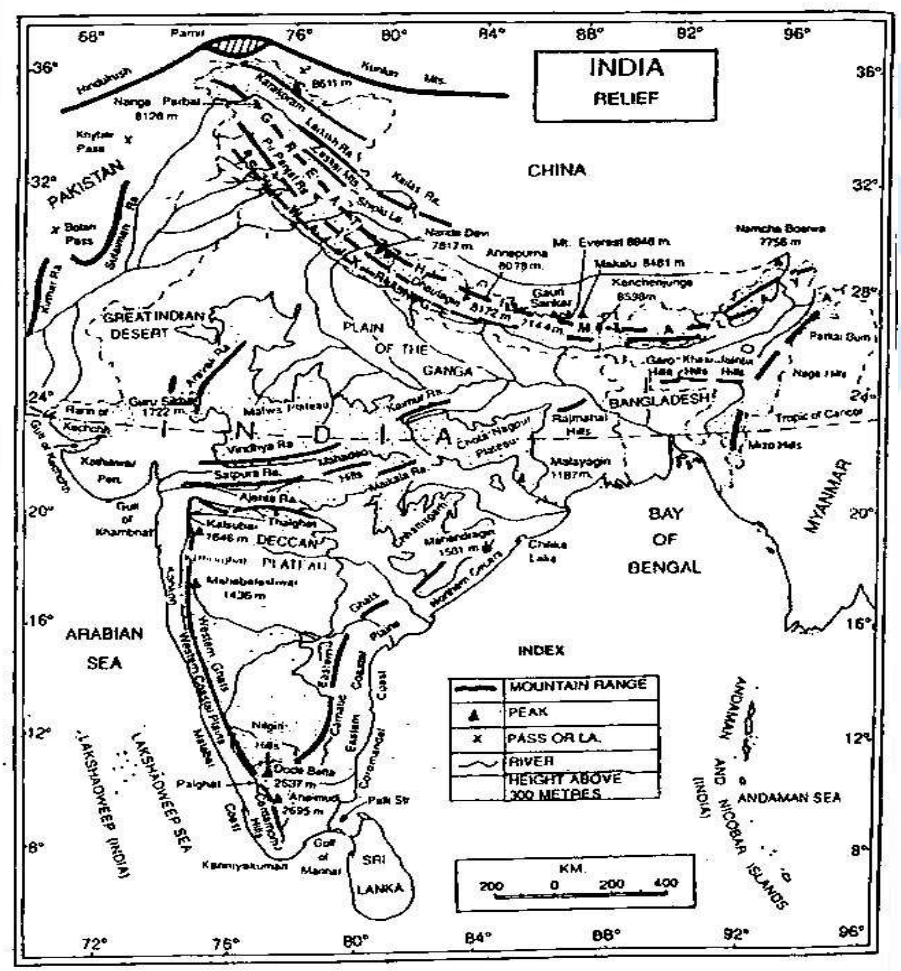

हिमालय का महत्व-

1. यह भारतीय उपमहाद्वीप की राजनीतिक एवं प्राकृतिक सीमा बनाता है।
2. यह जाड़ों में आने वाली ध्रुवीय हवाओं को भारतीय भू-भाग पर आने से रोकता है।
3. हिमालय वर्षा काल मे मानसूनी हवाओं को रोककर वर्षा कराता है।
4. हिमालय नदियों को वर्षा वाहिनी बनाये रखता है।
5. हिमालय की नदियाँ अपने साथ काफी मात्रा में अवसाद लाती हैं। जिससे उपजाऊ जलोढ़ मृदा का निर्माण होता है।
6. हिमालय में कोबाल्ट, निकिल, जस्ता, तांबा, एन्टीमनी, बिस्मथ जैसे धात्विक संसाधन पाये जाते हैं।
7. हिमालय में कोयला, पेट्रोलियम जैसे संसाधन भी पाये जाते हैं।
8. हिमालय मे सबसे अच्छी गुणवता वाला ऐंथ्रासाइट कोयला भी पाया जाता है।
9. हिमालय में वन संसाधनों के अन्तर्गत सागौन, शीशम, ओक, लारेल, देवदार, मैगनेलिया, बांस आदि पाये जाते हैं।

हिमालय में अनेक दर्रे पाये जाते हैं। जैसे-

1. ***काराकोरम दर्रा-***
 (a) यह भारत का सबसे ऊँचा दर्रा (5654 मी.) है।
 (b) यह च्ब्ज्ञ तथा अक्साई चिन को जोड़ता है।
2. **बुर्जिल दर्रा-**
 (a) यह दर्रा जम्मू-कश्मीर में स्थित है।
 (b) यह दर्रा श्रीनगर से गिलगिट को जोड़ता है।
3. **जोजिला दर्रा-**
 (a) यह दर्रा जास्कर श्रेणी में स्थित है।
 (b) इस दर्रे से श्रीनगर से लेह का मार्ग गुजरता है।
4. **पीरपंजाल दर्रा-**
 (a) यह पीरपंजाल श्रेणी में स्थित है।

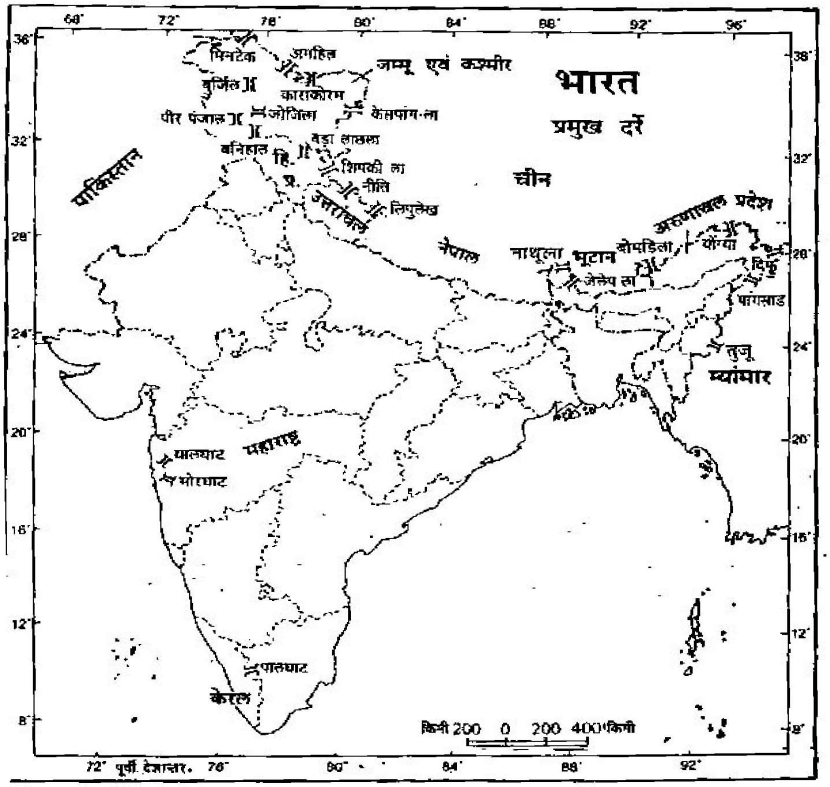

5. बनिहाल दर्रा-

(a) यह पीरंपजाल श्रेणी में स्थित है।

(b) इस दर्रे से जम्मू से श्रीनगर जाने का मार्ग गुजरता है।

(c) जवाहर सुरंग इसी दर्रे में स्थित है।

6. शिपकी-ला दर्रा-

(a) सतलुज नदी यहाँ से भारत में प्रवेश करती है।

7. बाड़ालाचा दर्रा-

(a) यह दर्रा हिमाचल प्रदेश में है।

8. नाथूला दर्रा-

(a) यह दर्रा सिक्किम मे स्थित है।

(b) इस दर्रे से भारत एवं चीन का संपर्क मार्ग है।

9. जेलेप-ला दर्रा-

यह सिक्किम में स्थित है।

उत्तर भारत का विशाल मैदान

विशिष्ट धरातलीय स्वरूप के आधार पर इस मैदान को 4 भागों में बाँटा जा सकता है-

(a) **भाबर प्रदेश** (b) **तराई प्रदेश**

(c) **बांगर प्रदेश** (d) **खादर प्रदेश**

(a) भाबर प्रदेश-

1. यह मैदानी भाग शिवालिक की तलहटी में स्थित है।
2. इसकी औसत चौड़ाई 8 से 16 किमी. है।
3. इस मैदान में कंकड़-पत्थरों (बजरी) की अधिकतम है।
4. इस मैदान में नदियाँ विलुप्त हो जाती हैं।

(b) तराई प्रदेश

1. यह भाबर प्रदेश के दक्षिणी भागों में मिलता है।
2. यह एक दलदली क्षेत्र है।
3. तराई प्रदेश घने वनों का प्रदेश है।
4. भाबर प्रदेश में विलुप्त हुई नदियाँ पुनः तराई प्रदेश में दिखाई देने लगती हैं।
5. यहाँ जैव विविधता का भंडार है।

(c) बांगर प्रदेश-

1. इस प्रदेश मे बाढ़ का पानी नहीं पहुंचता है।
2. इस मैदान का निर्माण पुराने जलोढ़ से हुआ है।
3. यहाँ कंकड एवं रेत अधिक मात्रा में है।
4. इसे ''भूड'' नाम से भी जानते है।

(क) खादर प्रदेश-

1. यह मैदान नवीन जलोढ़ से निर्मित है।
2. यहाँ बाढ़ प्राय: हर वर्ष आती है।
3. बाढ़ नवीन मृदा लाती रहती है।
4. इसे कछारी प्रदेश या बाढ़ का मैदान भी कहते हैं।
5. खादर प्रदेश का विस्तार डेल्टा प्रदेश में हुआ है। **जैसे**- गंगा-ब्रहमपुत्र का डेल्टा।

3. प्रायद्वीपीय भारत-

1. यह प्राचीन गोंडवाना भूमि का भाग है।
2. प्रायद्वीपीय पठार की आकृति त्रिभुजाकार है।
3. इसकी औसत ऊँचाई 600 से 900 मी. है।

(A). प्रायद्वीपीय भारत में निम्नलिखित पठार शामिल हैं-

1. मालवा का पठार - मध्य प्रदेश
2. बघेलखंड का पठार - मध्य प्रदेश
3. बुदेलखंड का पठार - मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में
4. दण्डकारण्य का पठार - उड़ीसा, छत्तीसगड़, आन्ध्र प्रदेश में
5. तेलंगाना का पठार - आन्ध्र प्रदेश
6. शिलांग का पठार - मेघालय
7. हजारी बाग का पठार - झारखंड
8. छोटा नागपुर का पठार - झारखंड
9. दक्कन पठार - सबसे बड़ा पठार

(B) प्रायद्वीपीय पठार के पर्वत-

अरावली पर्वत श्रेणी-

1. यह राजस्थान राज्य में स्थित है।
2. यह अत्यधिक प्राचीन एवं अवशिष्ट पर्वतमाला है।
3. इसकी चौडाई दक्षिण-पश्चिम से उत्तर पूर्व की ओर क्रमश: घटती चली जाती है।
4. अरावती श्रेणी का एक पर्वत मांउट आबू है। जो राजस्थान में स्थित है।
5. माउंट आबू पर अरावली पर्वत का सबसे ऊँचा शिखर गुरु शिखर (1722 मी.) स्थित है।

विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी-

1. यह मालवा पठार के दक्षिण में स्थित है।
2. यह अत्यधिक पुराना एवं घर्षित मोड़दार पर्वत श्रेणी है।
3. यह उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग करता है।
4. इसके दक्षिण में नर्मदा नदी बहती है।
5. इसकी औसत ऊँचाई 700-1200 मी. है।

सतपुड़ा पर्वत श्रेणी-

1. यह ब्लॉक पर्वत का उदाहरण है।
2. इस पर्वत के दोनों ओर नर्मदा एवं तापी नदी बहती है।
3. यह पर्वत श्रेणी विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी से दक्षिण में स्थित है।
4. सतपुड़ा पर्वत श्रेणी पश्चिम में राजपीपला पहाड़ियों से प्रारम्भ होकर महादेव एवं मैकाल पहाडियों के रूप में छोटानागुपर पठार तक विस्तृत है।
5. सतपुड़ा की सबसे अधिक ऊँचाई महादेव पहाड़ी के निकट धूपगढ़ (1350 मी.) में है।
6. सोन नदी एवं नर्मदा नदी का उद्गम अमरकंटक से होता है।

अमरकंटक-

1. अमरकंटक मैकाल पहाड़ी का सर्वोच्च शिखर (1036 मी) है।
2. मैकाल पहाड़ी सतपुड़ा पर्वत श्रेणी की एक पहाड़ी है।
3. अमरकंटक से सोन नदी एवं नर्मदा नदी का उद्भव होता है।

गारो-खासी-जयंतिया-

1. ये मेघालय पठार में स्थित है।
2. मेघालय पठार मेघालय राज्य में स्थित है।
3. मेघालय की राजधानी शिलांग है।
4. मेघालय पठार को शिलांग का पठार भी कहते हैं।

गिर की पहाड़ियाँ

1. ये गुजरात राज्य के सौराष्ट्र में स्थित है।
2. गिर की पहाडियाँ एशियाई शेर के लिये विख्यात हैं।

कालसुबाई

1. पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी है।
2. यह पश्चिमी घाट के सहयाद्रि में स्थित है।
3. यह महाराष्ट्र में स्थित है।

महाबलेश्वर

1. यह पश्चिमी घाट की दूसरी सर्वोच्च चोटी है।
2. महाबलेश्वर महाराष्ट्र में स्थित है।
3. कृष्णा नदी यहीं से निकलती है।

नीलगिरि-

1. नीलगिरि पहाड़ी दक्षिण भारत में स्थित है।
2. यह केरल-तमिलनाडु के बॉर्डर पर स्थित है।
3. नीलगिरि की सबसे ऊँची चोटी डोडा बेटा (2637 मी.) है।

4. प्रसिद्ध पर्यटक स्थल उटकमंडकम नीलगिरि में स्थित है।
5. नीलगिरि के दक्षिण में अन्नामलाई की पहाड़ियाँ हैं।
6. नीलगिरि की पहाड़ियों में भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी घाट मिलते हैं।

अन्नामलाई-

1. यह दक्षिण भारत में स्थित है।
2. अन्नामलाई केरल-तमिलनाडु के मध्य में स्थित है।
3. इसकी सबसे ऊँची चोटी अनाई मुडी (2695 मी.) है।
4. अनाई मुडी दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी है।
5. अनाई मुडी के दक्षिण में पालनी एवं इलाईची पहाड़ी (कार्डेमम पहाड़ी) स्थित है।

कार्डेमम पहाड़ी-

1. इनका दूसरा नाम इलायची की पहाड़ी है।
2. इन्हें इलामलय की पहाड़ी भी कहते है।
3. शेनकोट्टह दर्रा कार्डेमम पहाड़ी में स्थित है।

अरोयाकोण्डा-

1. यह पूर्वी घाट में स्थित है।
2. यह पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी है।
3. यह आन्ध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के पास है।

तटवर्ती मैदान-

1. प्रायद्वीपीय पठार के पूर्व एंव पश्चिम में दो संकरे तटीय मैदान मिलते हैं। इन्हें तटीय मैदान कहते हैं।
   (प) पूर्वी तटीय मैदान
   (पप) पश्चिमी तटीय मैदान
2. तटीय मैदान का निर्माण सागरीय तरंगों द्वारा अपरदन एवं निक्षेपण से होता है।
3. इसका निर्माण पठारी नदियों द्वारा लाये गये अवसादों के जमाव से भी होता है।

(प) पूर्वी तटीय मैदान-

1. पूर्वी तटीय मैदान पश्चिमी तटीय मैदान की तुलना में अधिक चौड़ा है।
2. महानदी, गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियों के डेल्टाई भाग में इसकी चौड़ाई अधिक बढ़ जाती है।
3. पूर्वी तटीय मैदान में लैगूनों का निर्माण होता है जैसे- चिल्का, कोल्लेरु, पुलीकट
4. यह मैदान कृषि के लिये उपयुक्त है।
5. यहाँ घनी जनसंख्या पायी जाती है।
6. पूर्वी तटीय मैदान को कई भागों में बाटा जाता है-
   (a) उत्कल तट- महानदी के ऊपर तक
   (b) उत्तरी सरकार/कलिंग तट- महानदी से गोदावरी नदी तक
   (c) कोरोमंडल तट- कृष्णा नदी से कुमारी अंतरीप तक

(ii) पश्चिमी तटीय मैदान-

1. यह प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिम में स्थित है।
2. यह मैदान गुजरात से कन्याकुमारी तक विस्तृत है।
3. इस तटीय मैदान को कई भागों में बाटा जाता है-
   (a) कोंकण तट- गुजरात से गोआ तक
   (b) कन्नड़ तट- गोवा से मैंग्लौर (कर्नाटक) तक
   (c) मालाबार तट- मैंग्लौर से कन्याकुमारी तक
4. इस मैदान में बीच-बीच में पहाड़ी भू-भाग है।
5. गुजरात में नर्मदा-ताप्ती नदी के मुहाने पर इसकी चौड़ाई सर्वाधिक (80किमी.) है।
6. मालाबार तट पर पश्चजल एवं लैगूनों प्रधानता है।

5. द्वीपीय भाग -

भारत के द्वीपीय भाग दो हैं-

1. **अंडमान-निकोबार द्वीप समूह**
2. **लक्षद्वीप समूह**

अंडमान एंव निकोबार द्वीप समूह

1. यह भारत के पूर्व में स्थित है।
2. यह बंगाल की खाड़ी में स्थित है।
3. अंडमान एवं निकोबार दोनों अलग-अलग द्वीप है।
4. अंडमान एवं निकोबार के बीच में से 10] चैनल गुजरता है।
5. अंडमान को चार भागों में बांटा जाता है।
   (a) **उत्तरी अंडमान**
   (b) **मध्य अंडमान**
   (c) **दक्षिणी अंडमान**
   (d) **लघु अंडमान**
6. अंडमान एवं निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेअर है।
7. पोर्ट ब्लेअर दक्षिणी अण्डमान में स्थित है।
8. अण्डमान में भारत के दो ज्वालामुखी नारकोण्डम एवं बैरन स्थित है।
9. लैंडपाल द्वीप अण्डमान का सबसे उत्तरी द्वीप है।
10. कोको जलमार्ग इसे म्यानमार्ग के कोकोद्वीप से अलग करता है।
11. सैडल अंडमान और निकोबार की सबसे ऊँची चोटी है।

12. मांउट हैरियट द्वीपसमूह की अन्य चोटी है।

13. मध्य अण्डमान सबसे बड़ा द्वीप है।

14. अण्डमान के दक्षिण मे निकोबार स्थित है।

15. ग्रेट निकोबार, निकोबार का दक्षिणतम द्वीप है।

16. ग्रेट निकोबार में ''इंदिरा प्वाइंट'' स्थित है।

17. इंदिरा प्वाइंट भारत का दक्षिणतम बिंदु है।

लक्षद्वीप-

1. यह भारत के पश्चिम में स्थित है।

2. लक्षद्वीप अरब सागर में स्थित है।

3. लक्षद्वीप की राजधानी कावारत्ती है।

4. मिनिकोय लक्षद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप है।

5. लक्षद्वीप एवं मिनिकोय द्वीप से 9] चैनल जाता है।

6. मिनिकोय एवं मालद्वीप के बीच से 8] चैनल गुजरता है।

7. लक्षद्वीप प्रवाल द्वीपों का उदाहरण है।

8. इसका निर्माण मूंगा चट्टानों से हुआ है।

9. मिनिकोय द्वीप को ॅवउमद प्ेसंदक भी कहते हैं।